Appendix-C

एम.ए. भाग-२ (हिन्दी)
प्रश्नपत्र -१
आधुनिक काव्य
प्रस्तावना :

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, वि वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवी शती के उत्तरार्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई हैं। मुकम्मल मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। विविध धाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्त्र स्त्रोत है। अंतःसंवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक हैं।

तृतीय सत्र

इकाई - १

१.	मैथिलीशरण गुप्त	-	यशोधरा
२.	जयशंकर प्रसाद	-	कामायनी - श्रद्धा, इडा, लज्जा और आनंद सर्ग
३.	सुर्यकांत त्रिपाठी निराला	-	सरोज स्मृति एवं कुकुरमुत्ता
४.	सुमित्रानंदन पंत	-	परिवर्तन, नौका विहार, एक तारा, मौन निमंत्रण

इकाई - २

द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित ६ कवियों का अध्ययन किया जायेगा

१.	श्रीधर पाठक	२.	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
३.	जगन्नाथदास रत्नाकर	४.	केदारनाथसिंह
५.	हरिवंशराय बच्चन	६.	गिरिजाकुमार माथुर

अंक विभाजन :

लिखित प्रश्नपत्र	-८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन -	२० अंक

कुल = १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय ३ घंटे पूर्णांक - ८०

प्रश्न - १ इकाई-१ के प्रत्येक कवि की कृति से १-१ व्याख्या इस प्रकार कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेगी, जिनमे से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या पर ८ अंक निर्धारित है। (२ X ८ = १६ अंक)

प्रश्न - २ इकाई १ के कवियों पर अथवा कविताओं पर चार दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें २ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर १६ अंक निर्धारित हैं **२ X १६ = ३२** अंक

प्रश्न - ३ इकाई २ के प्रत्येक कवि पर १ - १ लघुत्तरी प्रश्न इस प्रकार कुल ६ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक

प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित है। **४ X ४ = १६** अंक

प्रश्न - ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम से १६ अति लघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये १ अंक होगा (१६ X १ = १६ अंक)

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं ।

२) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं। कुल २० अंक

एम.ए. भाग-२ (हिन्दी)
प्रश्नपत्र -१
आधुनिक काव्य
चतुर्थ सत्र

इकाई - १

१.	महादेवी वर्मा	-	निशा की धो देता राकेश, वे मुस्काते फूल नहीं, छाया की आँख मिचौनी, जो तुम आ जाते एक बार, कह दे माँ क्या अब देखूँ, इस इक बूँद आँसू में, जिस दिन नीरव तारों से (कविताएँ - 'संधिनी' से)
२.	स.ही. वात्सायन 'अज्ञेय'	-	नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, हरी घास पर क्षण भर
३.	मुक्तिबोध	-	अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस
४.	नागार्जुन की ७ कविताएँ	-	
	१. चंदु मैने सपना देखा	२.	उनको प्रणाम
	३. बादल को घिरते देखा	४.	अकाल और उसके बाद
	५. मेरी भी आभा है इसमें	६.	मन करता है
	७. अग्निबीज		(नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन)

इकाई – २

द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित ६ कवियों का अध्ययन किया जायेगा

१.	कुँवरनारायण	२.	शमशेर बहादुर सिंह
३.	धर्मवीर भारती	४.	दुष्यंतकुमार
५.	जगदीश गुप्त	६.	भारत भूषण अग्रवाल

अंक विभाजन :

लिखित प्रश्नपत्र	-	८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन	-	२० अंक

कुल = १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय ३ घंटे पूर्णांक - ८०

प्रश्न - १ इकाई-१ के प्रत्येक कवि की कृति से १-१ व्याख्या इस प्रकार कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेगी, जिनमे से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या पर ८ अंक निर्धारित है। (२ X ८ = १६ अंक)

प्रश्न - २ इकाई १ के कवियों पर अथवा कविताओं पर चार दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें २ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर १६ अंक निर्धारित हैं २ X १६ = ३२ अंक

प्रश्न - ३ इकाई २ के प्रत्येक कवि पर १ - १ लघूत्तरी प्रश्न इस प्रकार कुल ६ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित है। ४ X ४ = १६ अंक

प्रश्न - ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम से १६ अति लघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये १ अंक होगा (१६ X १ = १६ अंक)

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं ।

२) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं। कुल २० अंक

एम.ए. भाग-२ (हिन्दी)
प्रश्नपत्र -२
आधुनिक गद्य साहित्य

प्रस्तावना :

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग-विराग, तर्क वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़ मन-मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़-शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का वि वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रवृत्ति, परिवेश, परिस्थिति, तथा चिंतन की विकास प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

तृतीय सत्र

इकाई - १

१.	ध्रुवस्वामिनी	-	जयशंकर प्रसाद
२.	पोस्टर	-	डॉ.शंकर शेष
३.	मित्रो मरजानी	-	कृष्णा सोबती
४.	तमस	-	भीष्म साहनी

इकाई - २

द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित छह रचनाकारों का अध्ययन किया जायेगा

१.	मोहन राकेश	-	नाटककार के रूप में
२.	लक्ष्मीनारायण मिश्र	-	नाटककार के रूप में
३.	उपेन्द्रनाथ अश्क	-	कहानीकार के रूप में
४.	मन्नू भंडारी	-	कहानीकार के रूप में
५.	फणी वरनाथ रेणु	-	उपन्यासकार के रूप में
६.	यशपाल	-	उपन्यासकार के रूप में

अंक विभाजन :

लिखित प्रश्नपत्र	-	८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन	-	२० अंक

कुल = १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय ३ घंटे पूर्णांक - ८०

प्रश्न - १ इकाई-१ की प्रत्येक कृति से १-१ व्याख्या इस प्रकार कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेगी, जिनमे से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या पर ८ अंक निर्धारित है। (२ X ८ = १६ अंक)

प्रश्न - २ इकाई १ की कृतियों पर चार दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें २ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर १६ अंक निर्धारित हैं २ X १६ = ३२ अंक

प्रश्न - ३ इकाई २ के प्रत्येक रचनाकार पर १ - १ लघूत्तरी प्रश्न इस प्रकार कुल ६ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित है। ४ X ४ = १६ अंक

प्रश्न - ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम से १६ अति लघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये १ अंक होगा (१६ X १ = १६ अंक)

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं ।

२) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं। कुल २० अंक

एम.ए. भाग-२ (हिन्दी)
प्रश्नपत्र -२
आधुनिक गद्य साहित्य
चतुर्थ सत्र

इकाई - १

१.	कुछ शब्द कुछ रेखाएँ	-	विष्णु प्रभाकर
२.	जूठन	-	ओमप्रकाश वाल्मीकि
३.	निबंध निलय	-	संपादक आचार्य सत्येन्द्र (वाणी प्रकाशन दिल्ली) बालकृष्ण भट्ट आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ.रामविलास शर्मा, श्रीविद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ रॉय, डॉ. नगेन्द्र.
४.	कथान्तर	-	संपादक-परमानंद श्रीवास्तव, (राजकमल प्रकाशन दिल्ली) चंद्रधर शर्मा गुलेरी, प्रेमचंद, जैनेन्द्र, धर्मवीर भारती, कमलेश्वर, उषा प्रियम्वदा, निर्मल वर्मा.

इकाई - २

द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित छह रचनाकारों का अध्ययन किया जायेगा

१.	श्यामसुंदर दास	-	आलोचक के रूप में
२.	अज्ञेय	-	कहानीकार के रूप में
३.	पांडेय बेचन शर्मा	-	कहानीकार के रूप में
४.	अमृत राय	-	जीवनीकार के रूप में
५.	हरिवंशराय बच्चन	-	आत्मकथाकार के रूप में
६.	कुबेरनाथ राय	-	ललित निबंधकार के रूप में

अंक विभाजन :

लिखित प्रश्नपत्र - ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन - २० अंक

कुल = १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय ३ घंटे पूर्णांक - ८०

प्रश्न - १ इकाई-१ की प्रत्येक कृति से १-१ व्याख्या इस प्रकार कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेगी, जिनमे से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या पर ८ अंक निर्धारित है।

(२ X ८ = १६ अंक)

प्रश्न - २ इकाई १ की कृतियों पर चार दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें २ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर १६ अंक निर्धारित हैं २ X १६ = ३२ अंक

प्रश्न - ३ इकाई २ के प्रत्येक रचनाकार पर १ - १ लघुत्तरी प्रश्न इस प्रकार कुल ६ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित है।

४ X ४ = १६ अंक

प्रश्न - ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम से १६ अति लघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये १ अंक होगा (१६ X १ = १६ अंक)

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं ।

२) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी, जिसके लिए १० अंक निर्धारित हैं। कुल २० अंक

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
प्रश्नपत्र -३
भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा

प्रस्तावना :

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान, भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है, अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरुपक भाषा भी प्रदान कराता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीयक साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति, प्राचीन भारतीय एवं अधुनातक पा चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है।

भाषावैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिन्दी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

तृतीय सत्र

पाठ्यविषय :

(क) भाषा विज्ञान

इकाई १. भाषा और भाषाविज्ञान :

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषाव्यवस्था और भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य। भाषाविज्ञान स्वरुप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

इकाई २. स्वन प्रक्रिया :

स्वनविज्ञान का स्वरुप और शाखाएँ, वागवयव् और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनो का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरुप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

इकाई ३. रुप प्रक्रिया :

रुप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रुपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त - आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रुपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद्, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना।

इकाई ४. अर्थविज्ञान :

अर्थ की अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई ५. वाक्य विज्ञान :

वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, हिंदी वाक्य रचना, पदक्रम और अन्विति

अंक विभाजन :

लिखित प्रश्नपत्र - ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन - २० अंक

कुल = १०० अंक

प्रश्नपत्र का प्रारुप -

प्रश्न १ (क) विभाग (भाषाविज्ञान) की पाँच इकाइयों में से पाँच प्रश्न। प्रत्येक इकाई में से एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से तीन प्रश्न हल करने होंगे। ३ X १६ = ४८ अंक

प्रश्न २ संपूर्ण पाठ्यक्रम से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करने होंगे। ४ X ४ = १६ अंक

प्रश्न ३ संपूर्ण पाठ्यक्रम से १६ अति लघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये १ अंक होगा (१६ X १ = १६ अंक)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
प्रश्नपत्र -३
भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा
चतुर्थ सत्र

पाठ्यविषय :

(ख) हिन्दी भाषा

१. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ पालि प्राकृत - शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

२. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ। खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

३. हिन्दी का भाषिक स्वरुप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य, खंड्येतर। हिन्दी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रुपरचना - लिंग, वचन और कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा सर्वनाम विशेषण और क्रियारुप। हिन्दी वाक्य-रचना : पदक्रम और अन्विति।

४. देवनागरी लिपी : विशेषताएँ और मानकीकरण।

५. हिन्दी के विविध रुप : संपर्क - भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रुप में हिन्दी, माध्यम-भाषा, संचार- भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

६. हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ : आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद हिन्दी भाषा-शिक्षण

अंक विभाजन :

लिखित प्रश्नपत्र - ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन - २० अंक

कुल = १०० अंक

प्रश्नपत्र का प्रारुप -

प्रश्न १ (ख) विभाग (हिन्दी भाषा) की छह इकाइयों में से पाँच प्रश्न। छह इकाइयों में से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से तीन प्रश्न हल करने होंगे। ३ X १६ = ४८ अंक

प्रश्न २ संपूर्ण पाठ्यक्रम से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करने होंगे। ४ X ४ = १६ अंक

प्रश्न ३ संपूर्ण पाठ्यक्रम से १६ अति लघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये १ अंक होगा (१६ X १ = १६ अंक)